

Dated 27/5/88 Ashok Kumar - Sal 4 3Rs 50P



COPY

G

GS

PL

TOTAL

7.35--

5.00--

12.35

NO. 2715 of 1988

A. D. S. R. 6715/88
श्रीमान् देवानंद, देवानंद उद्धिला बाबू गाडा,

५०,००० टाकार त्रिशूल देवानंद,

जमियां ५ काठा ५ पटाह ८ बड्डू घाट ॥

500.00
" " 500.00
" " 500.00
" " 200.00
" " 200.00
" " 50.00
" " 7 काठा त्रिशूल
200 अक्षरानि लिखित



Bansal

B.D.

S.P. J. Bank
Addl. T. M. B. D.
Sonarpur, 24 Parganas (E)

3.5.88

1 श्री दीवानान् शुभा, २४ श्री दीवानान् शुभा,

१ श्रीष्टी नव्या शुभा, स्वामी-नव्या श्री दीवानान् शुभा,

जाति-दिन्दु, देवानंद बाबा ७ बुरमाली, माठे-१०१६५

३ जिल्हा बाबू राज, देवानंद २५ ॥

देवानंद २५

1.46 श्री दीवानान् शुभा (श्री दीवानान् शुभा) नियोगी २५ अ.

3.70 श्री दीवानान् शुभा (श्री दीवानान् शुभा) नियोगी २५ अ.

१.४६ श्री दीवानान् शुभा (श्री दीवानान् शुभा) नियोगी २५ अ.

१.४६ श्री दीवानान् शुभा (श्री दीवानान् शुभा) नियोगी २५ अ.

१.४६ श्री दीवानान् शुभा (श्री दीवानान् शुभा) नियोगी २५ अ.

१.४६ श्री दीवानान् शुभा (श्री दीवानान् शुभा) नियोगी २५ अ.

१.४६ श्री दीवानान् शुभा (श्री दीवानान् शुभा) नियोगी २५ अ.

१.४६ श्री दीवानान् शुभा (श्री दीवानान् शुभा) नियोगी २५ अ.

१.४६ श्री दीवानान् शुभा (श्री दीवानान् शुभा) नियोगी २५ अ.



Dr. B. D. Bawden

କମ୍ପ୍ୟୁଟର ଦ୍ୱାରା କୋବାନା ଦକ୍ଷିଣ ଭୂତଳେ ଏହିବୀ ଅଧିକ ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଦିନକୁ ଖାଲେ ଡାକ୍
ଦଖଲି ଥାନ ଓ ବେ ନିଶ୍ଚି ପାଠେ ରାଜ୍ୟ ସାହିତ୍ୟ କ୍ଷେତ୍ର ବିଭଗେ ଅଧିକର ଦେବାତ୍ମୀ ଶାନି
ଓପି ଉତ୍ସା ପାଇଁ କରିବିଲୁ ଏହି ଯୁକ୍ତ ଓ ଧ୍ୟାନତୀର୍ଥ ଇତ୍ୟଥିବୁ ଅଧିକ ଶାନ୍ତି ବିନା କରାନ୍ତି
ନିଶ୍ଚିଯେ ଚିକାରେ ନିଷ୍ପତ୍ତ ବିଜ୍ଞାନ ମାଫ୍ କୋବାନା ଏତ ଯିବା ରାଜ୍ୟନାଳୋକେ ।

ଜ୍ଞାନ ମଧ୍ୟିମ ୨୪-ଶତମାନ ପ୍ରାଚୀତ ହାନି ଓରୋ.ଡି. ମାଦରପିଲ୍ଲୀ ପାଇଁ
ଆମାରକୁ ଏକମା ମେଦିନୀ, ଯୋଗୀ ଉଦ୍ଧିଳା ଶାଇଖାଟା ପ୍ରାମେର ପଥେ ୭୫ ନେ
ଧତିଯାର ଛୁଟ ୧୫୦୭ ମୁହଁ ହାତାର ଚାର ଶତ ମାତ୍ର କି ମାତ୍ର ଶାନ୍ତି ୦୧ ମତେ ଅଧିକ
ପଥେ ଧାରୀର ଧର୍ମିଣୀ ସାର ଦୂର୍ଭାଗ୍ୟ ୫ ମାତ୍ର ବାଟା ୧ ମାତ୍ର ଘଟାଏ ୮ ମଧ୍ୟ ବର୍ଷାଟ ଏହି ଯେ
ଦିନମେର ବିକ୍ରିତ ଗଲ୍ପଟି ହେଲେହେ । ଉତ୍ୟ କୌଣସି ଆଜି ଅନ୍ୟାନ୍ୟ ଏହି ଦୟା
ଦସେତ ହାତ୍ତେ ଜ୍ଞାନାର ବୈଜ୍ଞାନିକ ରାଫ୍ତକୁ ଶିଖିଲେ ଏହିମା ଧାସ ଦ୍ୱାରି ମନ୍ଦିରଟି
ଥାବେ । ଉତ୍ୟ ଫିଲିନ ଧାରୀ ଆମାରେ ଥିଲେ ଡାକ୍‌ଗମ୍ଭେ ଅବଶ୍ୟମ ୭୩ ପ୍ରତିଶ୍ରୀକରେ
ଶୁଦ୍ଧିଧାର ହନ୍ୟ ଉତ୍ୟ ଫିଲିନ ରେତିଶ୍ରୀକୃତ ୭୩୬୬ ନେ ମାୟ କୋବାଳା ମୁଲେ ଓରେମ୍ଭୁ
ଚାତୁର୍ବୀକେ ବିକ୍ରି କରିଯା ଅପ୍ତୁ: ଓ ମନ୍ଦିରଟି ହେବୁ । ଉତ୍ୟରେ ଉତ୍ୟ ନବେନ୍ଦ୍ର ଚାତୁର୍ବୀ

351

265782

R. P. Side

Barry

Day 3





S. D. Bansal

આજના પ્રાથમિક ખાદે રૂપાં સહનિકારક ખરૂના કાને ડિનિ ખાદ ટાકાર વિશેષ
પ્રયોગના બન્ધ: ૧૯૬૧ માને બાબુલીલ પાણીની ચિહ્ના (ચિહ્નાનીબંધ/૧૫૭૯) ના
માટે કોવાના દનિક પુને કોવાના દાઢા જાળાએ વિઝ્ઞાન નિયમા વિઝ્ઞોત નિર્ધાર
નીચે સ્વચ્છ ઓ નાન ચૂંટ હયેને। તોને આપિ હડનાની જાનારૂ રોમ ડોલ
સહનિકાર જાઓ।

આજને આપિ ખાદ ટાકાર વિશેષ પ્રયોગના બન્ધ: ૩૨ ટોંપિ એપ્યા ચિહ્નાને
વિઝ્ઞા રાજ્યાર ન્યૂ રોડના રહિલે જાનુના ઉંચા ચૂંટ નિયમ નિર્ધાર
નીચે હોલે આપિ ઉંચા ૫ રોડા ૫ ઇંચ ૬ કાંટ્ચ ૨૫ એન્ટી ચિહ્ના વિઝ્ઞાન વાધાર
નાનાર ઉંચા મૂલ્ય ૫૫,૦૦૦ એ નિયમ રાખાર ટાકા એ નિયમ અનુયાયી ચિહ્નાને
નિર્ધાર વિઝ્ઞા નાટ કોવાના નિયમ નિયમ સ્વીકાર ઓ અન્ધિકાર કરિએછે યે:-
જાનુના અન્ધિકાર ચાન્દિ હોય એ વિઝ્ઞોત સહનિકારે જાયાર ધારણીનું સ્વચ્છ
સ્વચ્છાન ઓ સ્વચ્છઠી એવા નાને કાઢુણ સહનિકાર ઓ સહનિકારિયી હિયા વર્તમાન

352 8/3/82

R. L. Sabo

Brown & Sons

1000 N. W. Hwy.

Chicago, IL 60613

312-733-1234

Fax: 312-733-1235

E-mail: rlsabo@brownandsons.com

www.brownandsons.com

38000 3/82

35000 1-

35000 10



Ch. S.D. Omsal

- :: ८ :: -

यर्थान यादिल मकाते डारमादेव निष्ठ किंतु नाम नवन उत्तिया खार्ग्य वाङ्मादि
आदासु पिण्डा शुद्ध लोगादी भूमारिशान बन् पाय अलाडिपितृ एवं तेज साक्ष
विञ्चय यादि इस्तान्तर ब्रह्म इष्टाय फूलजा डावे नवप सूखे डोर पवत करिते
बहून। डाराते आपाव वा आपाइ डावि ऐडाधिकाही लान्तर एवं विञ्चीत
मप्तित्र त्रुटि तोक्तु त्रुकाव दावी दात्या वा अतु भ्रुव रथिन वा वा छानवे
वा। यदि उवियाते ब्रह्म ब्रह्म त्रुकाते दावी दात्या ब्रह्म वा ब्रह्म ब्रह्म
ताहा वर्त्त आदानते ज्ञाय ईर्वेते ॥-

प्राव ओ त्रुकाल खावे रथ एवं विञ्चीत मप्तित्र वा ईशाव त्रह्म अंग यापि
इति शूर्वे तोक्तु अातन तोक्तु त्रह्मत्र इस्तान्तर वा दाय भ्रुहोन करि नाई
वा तोक्तु त्रह्म वा उमालिल नाई वा तोक्तु आदार्त रक्त त्रह्म वा यीलाप इतु
नाई, अवा उलर तोन भ्रात्वे त्रह्म अंग त्रह्मत्र इस्तान्तरे उन्य वादात्तु निष्ठ



- १० -

হইতে বাধনাদি পুরন করিয়া রাখুন এবং সিদ্ধি নাই বা গতিশীল ও দোষ
ও কোম্পানী কৃত প্রতিকৃত বা প্রাকৃতিকীয় নাই বা কোনও যাচ্ছা রয়েছে যাচ্ছা
জারী নাই এবং পুরন করি নাই, তিন্মা দেবতা ও পুরোহিত মস্তি নহে
বা মাধ্যাহনের বাবহার্য মস্তি নহে, ৩০. তথ্য পোক পুরুষ ভাবে ফির্দাস
বিশ্বেষ বিশ্বেষ ও ধাম দখল করেছায় আশনাদের চিত্তের বিষ্ণু বিষ্ণু
করিয়া অব আশনারা কোনও প্রতি বা আদ্যাজস্তি না করিয়া আপার কথার
বিশ্বাসে এবং মস্তি করিয়ে করিনেন ॥-

ভবিষ্যতে কোনও পুরান খনক্ষয় পুরাণ নাইয়া বা শের কোনও মনুক উভয়
ইয়া তাহাতে আশনাদের বা আশনাদের ভাবি ওয়ালিয়ান গৎক্ষেত্রে এবিদা স্বতু
বা দ্বন্দ্বে কোনও বিয় বা ৬টি হয় তাহা থইলে ৩ সকল যাবতীয় বিয় উন্নোত
হতি সূর্য করিতে ও দখল ও স্বতু: করায় করিতে আপি ধাম দখলি আপার সপ
মূলের অন্য মস্তির আচা বা গনের টাকা উপর সুন ও ক্ষয়েত্র মাঝে এব



60. B. D. Bansal

- १२६१२ -

এব কামিন রেড়ে হৈয়া ৫টি কৃতন পরিচ হৃষীশ্বাম এম আমে বাধ্য বিদ্যুৎ
ও বাহিকেব ॥

জৈবিকতে গোত্র পক্ষার বা বৈশিষ্ট্য পক্ষার কল্প মূলন কোনো প্রয়ার কৃতি
ক্ষমতার প্রাপ্তি এবং পক্ষ পক্ষে প্রাপ্তি বিনা প্রয়ের ক্ষেত্রে একই পক্ষের সাক্ষীকৰ্ত্তা
ও বিশ্বীচ প্রতিষ্ঠাপিত হৃষীশ্বাম পুরুষের ক্ষমতা ক্ষমত ক্ষমত ক্ষমত পাইল না বা
পাইবে না । উপর্যুক্ত যদি এই সন্দিগ্ধের কোনো ক্ষেত্রে কুণ্ডল পাকা কুরাপ
শাখ তাহা পক্ষে জ্ঞাপি বিনা পক্ষে আবেদনার পক্ষামূল কৃতর্য মৎস্যের সন্দিগ্ধে
ক্ষেত্রে দিতে হৃষীশ্বাম পুরুষের বাধ্য বিদ্যুৎ ও খাবিকেব ॥

এই সন্দিগ্ধের প্রাপ্তি হৃষীশ্বাম পুরুষের বাধ্য হৈয়া পক্ষের নিখিত মফস্ত
টাকা নিম্ন জোড় প্রয়ে কামিন কৃতন পাইলু কৃত্য পর্যায়ের সন্দিগ্ধে কৃতন
পক্ষের বিবাহুরোধে ও পিতৃবৃত্ত বিশ্বীচ মাহ কোবাল্লা নিখিত ও পর্যায়ে
ক্ষেত্রে মহি ও মন্দাদেশ ক্ষেত্রে ছিলাপ ।

ইতি ঢাকিক বালো ১৩২৫ মানেব - ২০ (৭) ৫০৩৩৩৮

ইতি ঢাকিক ১৩২৬ মানেব - ৩ (৮) ৫০

৭

৬



- :: ১ :: -

- :: পেশীন বিজীত প্রধির পক্ষিয় ::-

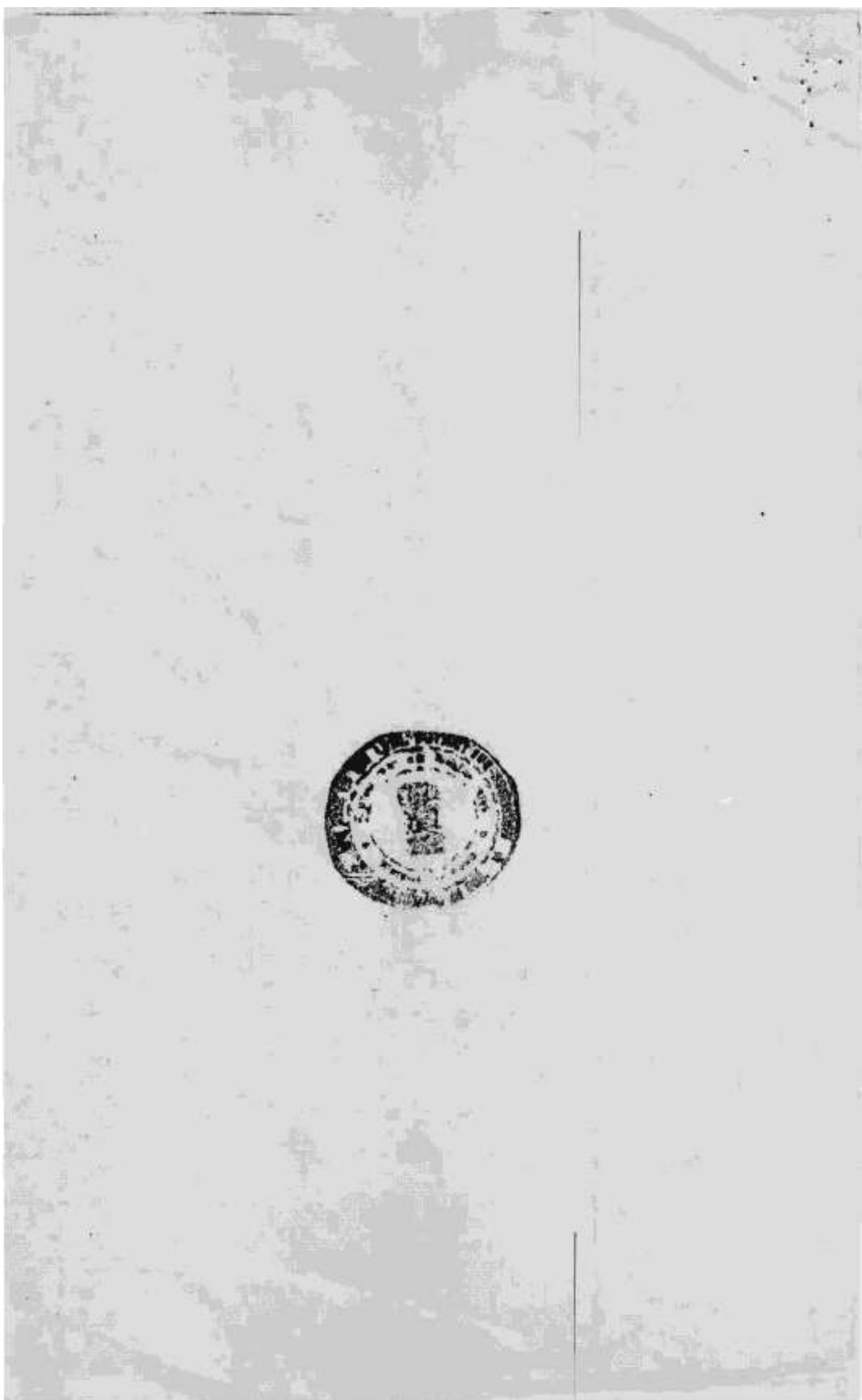
জনা পাখির ২৪-প্রজনা, ধানা ও গ্রান্টি, শারণেশ্বরী পাখির সমাবস্থুর
শব্দনা প্রদর্শন, প্রের্ণা উদিতা বাইলগাহু প্রাপ্তির পথে রাম্প স্থানি স্বতু বিশিষ্ট
অস্তু: বঙ্গান পাঞ্জি পশ্চিম বঙ্গ বঙ্গান সরকার পক্ষে ২৪-প্রজন-প্রাপ্ত কাছেক্টার জীবনে
যোগ দিয়ি প্রাপ্ত পথে বিজীত ৫ বাড়া ৫ বীচ রটাক ৫ মুখ প্রের্ণা প্রধি
হাসাহায়ি বাঞ্চি বাণো । অঙ্গুষ্ঠা প্রয় ফুল ৫৫, ০০৫ পিক্স হাতাই টোল
জড়: এন: জি- ৫৬, রংজা: জি- ১৭, প্রের্ণা: জি- ১০১, প্রিয়া: জি- ৭৫
শৈক্ষণ্য জি -

১৪০৫ সুই শাঙ্কাৰ চার গত সাত মু দালে শালি-১ কু পক্ষ পাৰ সুজৰ
দোচ কাঢ়া বাচ কাটাৰ মু কৰ্মসূত প্রধি উপা ঘাও । রোম ও পক্ষি বাথা জ্ব
ও পিতে চাষ দৃঃ ।

দক্ষি বাচ প্রিয়া দাতাকে শুবাইনাপ ॥

শ্ৰীশেন্দ্ৰ প্রকাশন

৪



32. B. G. Baumgard

ପରିମା ପାଇଁ ପାଇଁ
 କାହାର କାହାର
 ଟଙ୍କା ୧୦.୨-୨୦ ଟଙ୍କା କାହାର କାହାର ୫୦୦୦,
 କାହାର ୨୦୯୦୦ ଟଙ୍କା କାହାର ୧୦୦, କାହାର ୩୦୦
 ୨୦୦ (କାହାର ୨୦୦୦୦, କାହାର ୨୦୯୦୦ ଟଙ୍କା) ୩୦୦
 ୨୫୦୦ ଟଙ୍କା କାହାର ୨୦୯୦୦ ଟଙ୍କା ୩୦୦
 B. D. Bansal.

ମୁଦ୍ରା କରିବାର ପାଇଁ ଏହାର ଅଧିକାରୀ
ନାମ ହେଉଥିଲା ଶ୍ରୀ କର୍ଣ୍ଣାନାଥ
ପାତ୍ର (ପାତ୍ର ପାତ୍ର)

प्रसादि :-

କାଳିତେ କାହିଁ କାହିଁ ଦାନିରେ
କାହିଁ କାହିଁ କାହିଁ

ગોદાવાણિનાના

৮১. পাইপ কান্দা
পুরী পাইপ কান্দা।

ଶ୍ରୀ-ମୋହନଶୁକ୍ଳ-ଏମ୍.ଡି. ମାସତ୍ରଭିଷ୍ଟୀ ପରିଦିଃ

